

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i) प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 207] No. 207] नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 29, 2016/चैत्र 9, 1938

NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 29, 2016/CHAITRA 9, 1938

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 मार्च, 2016

सा.का.नि. **354(अ)**.—केंद्रीय सरकार, सरकारी बचत पत्र अधिनियम, 1959 (1959 का 46) की धारा 12 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र (आठवां निर्गम) नियम, 1989 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

- 1. (1) इन नियमों को राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र (आठवां निर्गम) संशोधन नियम, 2016 के नाम से जाना जाएगा।
 - (2) ये 1 अप्रैल, 2016 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।
- 2. राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र (आठवां निर्गम) नियम, 1989 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 15 में,-
 - (क) उप-नियम (6घ) में, "1 अप्रैल, 2014" अंकों, शब्दों, अक्षरों के स्थान पर, "1 अप्रैल, 2014 किंतु 1 अप्रैल, 2016 के पूर्व" अंकों, शब्दों और अक्षर रखे जाएंगे;
 - (ख) उप-नियम (6घ) और उससे संबंधित सारणी के पश्चात्, निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
 - "(6ङ) जहां कोई प्रमाण पत्र 1 अप्रैल, 2016 को या इसके पश्चात् क्रय किया गया है, वहां किसी अंकित मूल्य के प्रमाण पत्र की परिपक्वता की अवधि पांच वर्ष होगी जो प्रमाण पत्र के जारी होने की तारीख से आरंभ होगी। उसकी परिपक्वता अवधि की समाप्ति के पश्चात् किसी भी समय प्रमाण पत्र के भुनाए जाने

1519 GI/2016 (1)

पर, ब्याज सहित संदेय रकम 100 रुपए के अंकित मूल्य के लिए 147.61 रुपए और किसी अन्य अंकित मूल्य के लिए आनुपातिक दर से होगी। नीचे सारणी में यथा-विनिर्दिष्ट ब्याज प्रत्येक वर्ष की समाप्ति पर प्रमाण पत्र के धारक या धारकों को प्रोद्भूत होगा और प्रत्येक वर्ष के अंत में चौथे वर्ष की समाप्ति तक इस प्रकार प्रोद्भूत ब्याज के बारे में यह समझा जाएगा कि उसका धारक की ओर से पुनः विनिधान किया गया है और प्रमाण पत्र के अंकित मूल्य की रकम के साथ जोड़ दिया गया है।"

"सारणी

वर्ष के लिए अर्जित ब्याज	100 रुपए के अंकित मूल्य के प्रमाण पत्र पर प्रोद्भूत होने वाले ब्याज की रकम
	(रुपए)
पहला वर्ष	8.10
दूसरा वर्ष	8.76
तीसरा वर्ष	9.46
चौथा वर्ष	10.23
पांचवा वर्ष	11.06

टिप्पणी: किसी अन्य अंकित मूल्य के किसी प्रमाण पत्र पर प्रोद्भूत होने वाले ब्याज की रकम उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट रकम की आनुपातिक होगी।"

- 3. उक्त नियम के नियम 16 के उप-नियम (4) में,-
 - (क) खंड (VIII) में, "1 अप्रैल, 2014" अंकों, शब्दों और अक्षरों के स्थान पर, "1 अप्रैल, 2014 किंतु 1 अप्रैल, 2016 के पूर्व" अंक, शब्द, अक्षर रखे जाएंगे;
 - (ख) खंड (VIII) और उससे संबंधित सारणी के पश्चात्, निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-
 - "(IX) यदि 1 अप्रैल, 2016 को या उसके पश्चात् क्रय किया गया कोई प्रमाण पत्र, प्रमाण पत्र की तारीख से तीन वर्ष की समाप्ति के पश्चात् उप-नियम (1) के अधीन भुनाया जाता है, तो संदेय रकम, जिसमें नियम 15 के अधीन प्रोद्भूत ब्याज सम्मिलित है और रियायत के समायोजन करने के पश्चात्, 100 रुपए के अंकित मूल्य के प्रमाण पत्र के संबंध में नीचे सारणी में विनिर्दिष्ट किए अनुसार होगी और किसी अन्य अंकित मूल्य के लिए आनुपातिक दर से होगी।

सारणी

पत्र की तारीख से लेकर उसके भुनाए जाने तक की अवधि	ब्याज सहित संदेय रकम (रुपए)
(1)	(2)
तीन वर्ष या अधिक, किंतु तीन वर्ष और छह मास से कम	122.85
तीन वर्ष और छह मास या अधिक, किंतु चार वर्ष से कम	127.13
चार वर्ष या अधिक, किंतु चार वर्ष और छह मास से कम	131.57
चार वर्ष और छह मास या अधिक, किंतु पांच वर्ष से कम	136.16"

[फा. सं. 1/4/2016-एनएस-II]

प्रशान्त गोयल, संयुक्त सचिव

टिप्पण: मूल नियम सा.का.िन. 496(अ), तारीख 1 मई, 1989 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गएः-सा.का.िन. 508(अ), तारीख 23 मई, 1990, सा.का.िन. 120(अ), तारीख 8 मार्च, 1998, सा.का.िन. 7(अ), तारीख 1 जनवरी, 1999, सा.का.िन. 491(अ), तारीख 6 जुलाई, 1999,

सा.का.नि. 47(अ), तारीख 15 जनवरी, 2000, सा.का.नि. 156(अ), तारीख 1 मार्च, 2001, सा.का.नि. 572(अ), तारीख 2 अगस्त, 2001, सा.का.नि. 163(अ), तारीख 1 मार्च, 2002, सा.का.नि. 711(अ), तारीख 17 अक्तूबर, 2002, सा.का.नि. 179(अ), तारीख 1 मार्च, 2003, सा.का.नि. 590(अ), तारीख 25 जुलाई, 2003, सा.का.नि. 591(अ), तारीख 25 जुलाई, 2003, सा.का.नि. 820(अ), तारीख 16 अक्तूबर, 2003, सा.का.नि. 289(अ), तारीख 13 मई, 2005, सा.का.नि. 744(अ), तारीख 4 अक्तूबर, 2011, सा.का.नि. 842(अ), तारीख 25 नवंबर, 2011 और सा.का.नि. 318(अ), तारीख 25 अप्रैल, 2013, सा.का.नि. 397(अ), तारीख 25 जून, 2013 और सा.का.नि. 226(अ), तारीख 13 मार्च, 2014 और सा.का.नि. 494(अ), तारीख 11 जुलाई, 2014 द्वारा किए गए।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th March, 2016

G.S.R. 354(E).—In exercise of the powers conferred by section 12 of the Government Savings Certificates Act, 1959 (46 of 1959), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the National Savings Certificates (VIII Issue) Rules, 1989, namely:—

- 1. (1) These rules may be called the National Savings Certificates (VIII Issue) (Amendment Rules), 2016.
 - (2) They shall deemed to have come into force on the 1st day of April, 2016.
- 2. In the National Savings Certificates (VIII Issue) Rules, 1989 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 15.
 - in sub-rule (6D), after the figures, letters and words "1st day of April, 2014", the words, figures and letters "1st day of April, 2014 but before the 1st day of April, 2016," shall be substituted;
 - (b) after sub-rule (6D) and the Table relating thereto, the following shall be inserted, namely:—
 - "(6E) Where a certificate has been purchased on or after the 1st day of April, 2016 the maturity period of a certificate of any denomination, shall be five years, commencing from the date of issue of the certificate. The amount inclusive of interest, payable on encashment of the certificate at any time after the expiry of its maturity period shall be Rs. 147.61 for denomination of Rs. 100 and at proportionate rate for any other denomination. The interest as specified in the Table below shall accrue to the holder or holders of the certificate at the end of each year and the interest so accrued at the end of each year upto the end of the fourth year shall be deemed to have been reinvested on behalf of the holder and aggregated with the amount of face value of the certificate.

TABLE

The year for which interest accrues	Amount of interest (rupees) accruing on certificate of Rs. 100 denomination
First Year	8.10
Second Year	8.76
Third Year	9.46
Fourth Year	10.23
Fifth Year	11.06

Note: The amount of interest accruing on a certificate of any other denomination shall be proportionate to the amount specified in the Table above".

- 3. In rule 16 of the said rules, in sub-rule (4),-
 - (a) in clause (viii), for the figures, letters and words "1st day of April, 2014", the words, figures and letters "1st day of April, 2014 but before the 1st day of April, 2016" shall be substituted:
 - (b) after clause (viii) and the Table relating thereto, the following shall be inserted, namely:—

"(ix) If a certificate is encashed under sub-rule (1) after the expiry of three years from the date of certificate purchased on or after the 1st day of April, 2016, the amount payable, inclusive of interest accrued under rule 15 and after adjustment of discount, shall be as specified in the Table below for a certificate of Rs. 100 denomination and at a proportionate rate for a certificate of any other denomination.

TABLE

Period from the date of the certificate to the date of its encashment	Amount payable inclusive of interest (Rupees)
(1)	(2)
Three years or more, but less than three years and six months	122.85
Three years and six months or more, but less than four years	127.13
Four years or more, but less than four years and six months	131.57
Four years and six months or more, but less than five years	136.16"

[F. No. 1/4/2016-NS-II]

PRASHANT GOYAL, Jt. Secy.

Note: The principal rules were published vide G.S.R. 496(E), dated the 1st May, 1989, and subsequently amended vide: G.S.R. 508(E), dated the 23rd May, 1990, G.S.R. 120(E), dated the 8th March, 1998, G.S.R. 7(E), dated the 1st January, 1999, G.S.R. 491(E), dated the 6th July, 1999, G.S.R. 47(E), dated the 15th January, 2000, G.S.R. 156(E), dated the 1st March, 2001, G.S.R. 572(E), dated the 2nd August, 2001, G.S.R. 163(E), dated the 1st March, 2002, G.S.R. 711(E), dated the 17th October, 2002, G.S.R. 179(E), dated the 1st March, 2003, G.S.R. 590(E), dated the 25th July, 2003, G.S.R. 820(E), dated the 16th October, 2003, G.S.R. 289(E), dated the 13th May, 2005, G.S.R. 744(E), dated the 4th October, 2011 and G.S.R. 842(E), dated the 25th November, 2011, G.S.R. 318(E), dated the 25th April, 2013, G.S.R. 397(E), dated the 25th June, 2013, G.S.R. 226(E), dated the 13th March, 2014 and G.S.R. 494(E), dated the 11th July, 2014.